www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 325 || लखनऊ
शनिवार
28 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:31
सूर्यास्तः 06:07
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 17°00

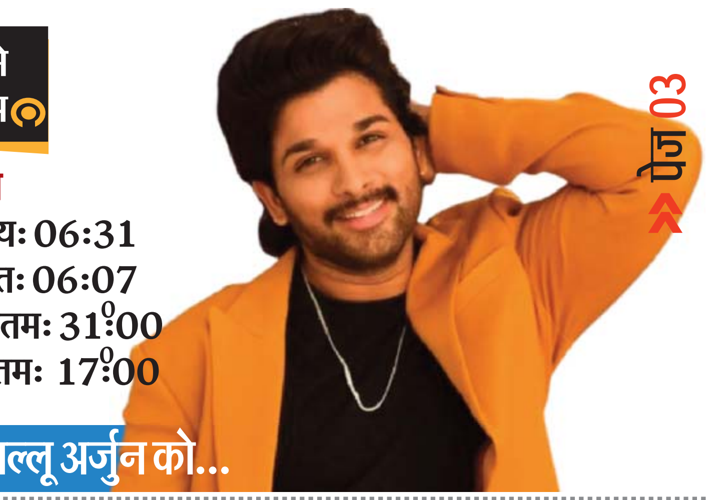

पेज 03

विशेष समाचार
नए नेतृत्व की तलाश में मुस्लिम... >> पेज 02
1000 करोड़ का ठग दुबई से... >>पेज 04
मृणाल ठाकुर ने अल्लू अर्जुन को...

मोदी-शाह ने साजिश रची : अरविंद केजरीवाल

अदालत के फैसले से दिल का बोझ उतरा, हम कट्टर ईमानदार

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े CBI केस में बरी होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पूर्व CM ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा। वे AAP को हरा नहीं पाए तो खत्म करने जुट गए। केजरीवाल ने कहा- आज मेरे दिल से बड़ा बोझ उतर गया है। मोदी-शाह ने हमारे खिलाफ इतने केस बनाए। हमारे पीछे ED, CBI, पुलिस छोड़ी। एक समय AAP के टॉप 5 नेता जेलमें थे, लेकिन आप कुछ नहीं बिगाड़ सके। अब तो केवल कत्ल कराकर ही केजरीवाल को कंट्रोल कर सकते हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े CBI केस में शुक्रवार सुबह केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने CBI को भी कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी की चार्जशीट में कई ऐसी खामियां हैं जिनका किसी गवाह या बयान से कोई लेना-देना नहीं है। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने कहा कि केजरीवाल को बिना किसी ठोस सबूत के फंसाया गया है। कोर्ट ने सिसोदिया और अन्य आरोपियों को आरोपमुक्त करते हुए कहा कि CBI आरोप साबित करने में विफल रही है। हजारों पन्नों की चार्जशीट में ऐसी चीजें हैं जो किसी भी गवाह के बयान का समर्थन नहीं करती। जज ने कहा कि चार्जशीट में भ्रामक बयान हैं। केजरीवाल ने कहा- मैंने जिंदगी में इज्जत और ईमानदारी कमाई है। एक पैसा नहीं कमाया, ये लोग उसी पर चोट करना चाहते थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

दिल्ली शराब नीति केस

"पूर्व सीएम ने कहा- भाजपा ने पिछले 4 साल 'शराब घोटाला' शब्द का खूब इस्तेमाल किया। आज के समय में जब सारी संस्थाओं, अथॉरिटीज को धमकाया का जा रहा है तब कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। इतना बड़ा न्याय करने के लिए जज साहब ने वाकई बहुत हिम्मत दिखाई है। ज्यूडिशियरी और जज का बहुत धन्यवाद।"

केजरीवाल बोले- ट्रम्प के सामने मोदी जी भीगी बिल्ली बन गए हैं

केजरीवाल ने कहा- आज देश का व्यापारी, उद्योगपति, किसान, युवा दुखी है। ट्रम्प रोज मोदी जी को गाली देते हैं। PM मोदी उनसे कुछ नहीं कह सकते हैं। मोदी जी भीगी बिल्ली बन गए हैं। केजरीवाल ने कहा- जब कोई सबूत नहीं है तो ऊपर की कोर्ट में भी CBI कहां से सबूत लगागी। कोर्ट ने हमें डिस्चार्ज किया, क्योंकि कोई केस बनता ही नहीं है। ED का मामला भी खत्म हो गया है। हम अगले हफ्ते एप्लीकेशन डालेंगे।

केजरीवाल बोले- चुनाव कराओ, बीजेपी को 10 से ज्यादा सीटें नहीं आएंगी

केजरीवाल ने कहा- AAP सरकार ने दिल्ली में 500 स्कूल बनाए, 200 सड़के बनाईं। आप (भाजपा) 5000 स्कूल बनाओ, 2 हजार सड़कें बनाओ। इसके बाद AAP को कोई नहीं पूछेगा। यमुना का बुरा हाल है, स्कूलों की हालत खराब हैं, सड़के खराब हैं, मोहल्ला क्लिनिक खराब हैं। पूर्व CM ने कहा- इस षडयंत्र के कारण मेरे परिवार को बहुत परेशानी हुई। मेरी मां अस्पताल गईं, वो बहुत रोईं। सिसोदिया की पत्नी को गंभीर बीमारी है। मोदी और शाह के षड्यंत्र के कारण दिल्ली के 3 करोड़ लोग खामियाजा भुगत रहे हैं। मेरा चैलेंज है। दिल्ली में आज चुनाव करा दो अगर 10 से ज्यादा तुम्हारी सीटें आ जाएं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

दिल्ली शराब नीति केस में सीबीआई के 5 बड़े दावे

CBI का दावा है कि केजरीवाल के करीबी विजय नायर दिल्ली एक्साइज बिजनेस के स्टेकहोल्डर्स के संपर्क में थे। वे शराब नीति में उन्हें फायदा देने के बदले पैसों की मांग करते थे। नायर वो जरिया थे, जिन्होंने केजरीवाल के लिए BRS नेता के. कविता की अध्यक्षता वाले साउथ ग्रुप के लोगों से डील की। CBI के मुताबिक, नायर ने ही शराब नीति में फायदा देने के बदले में साउथ ग्रुप के लोगों से 100 करोड़ वसूले थे। दो अन्य आरोपियों- विनोद चौहान और आशीष माथुर के माध्यम से इन पैसों को गोवा भेजा गया। जांच एजेंसी का कहना है कि केजरीवाल के निर्देश पर इस 100 करोड़ की रकम में से 44.5 करोड़ कैश गोवा विधानसभा चुनाव में खर्च किया या। इसलिए केजरीवाल चुनाव के दौरान गलत तरीके से कमाए पैसों का इस्तेमाल करने के भी जिम्मेदार हैं, क्योंकि इसका फायदा AAP को ही मिला है। CBI के अनुसार AAP के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले गोवा के दो पूर्व विधायकों ने आरोप लगाया था कि उन्हें एक पार्टी वालंटियर ने चुनाव खर्चों के लिए कैश दिए थे। एजेंसी ने अवैध रुपए लेने और उसके इस्तेमाल के लिए AAP के गोवा प्रभारी दुर्गेश पाठक को भी जिम्मेदार ठहराया है। एजेंसी का दावा है।

केजरीवाल बोले- नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने षड्यंत्र रचा

केजरीवाल ने कहा- आप जान रहे हैं कि बीते 4 साल से ED, CBI और अन्य संस्थाओं की मदद से हमारे ऊपर शराब घोटाला का केस चला। आज कोर्ट को फैसला लेना था कि मुकदमा चलाया जाए कि नहीं। क्या पर्याप्त सबूत हैं। कोर्ट ने लगभग 600 पेज के आदेश में कहा कि इतना भी सबूत, बयान नहीं है कि इस केस में मुकदमा चलाया जा सके। अगर केस चलता तो सबूत रखे जाते लेकिन कोर्ट ने कहा कि इतना फर्जी, बेकार केस है कि इसमें एक भी सबूत और गवाह नहीं है। ये पूरा षड्यंत्र किसने रचा आपको पता है। ये नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने रचा।

वहीं सीबीआई ने दिल्ली शराब नीति मामले में केजरीवाल समेत 23 आरोपियों को बरी किए जाने पर कहा- जांच के कई पहलुओं को या तो नजरअंदाज किया गया या पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ तुरंत दिल्ली हाई कोर्ट में अपील करेंगे। जांच एजेंसियों का आरोप है कि लाइसेंसिंग में 'साउथ ग्रुप' से जुड़े लोगों को फायदा पहुंचाने के बदले रिश्वत ली गई। आप इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताती रही है।

दिल्ली शराब नीति केस
CBI केस में 23 आरोपी बरी

1 अरविंद केजरीवाल
2 मनीष सिसोदिया
3 के. कविता
4 विजय नायर
5 सरथ रेड्डी
6 राजेश जोशी
7 कुलदीप सिंह
8 नरेंद्र सिंह
9 अभिषेक बोइनपल्ली
10 अरुण पिल्लई
11 मूथा गौतम
12 समीर महेंद्रू
13 अमनदीप सिंह ढल्ल
14 अर्जुन पांडे
15 बुचीबाबू गोरांटला
16 दामोदर प्रसाद शर्मा
17 प्रिंस कुमार
18 अरविंद कुमार सिंह
19 चनप्रीत सिंह
20 दुर्गेश पाठक
21 अमित अरोड़ा
22 विनोद चौहान
23 आशीष चंद माथुर

मोदी की विचारधारा में है इजराइल के लिए प्यार : ओवैसी

हमने हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बोला, आपको इजराइली आतंकवाद पर बोलना चाहिए था

तमसा संकेत, एजेंसी

विजयवाड़ा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी का इजराइल के लिए प्यार उनकी विचारधारा से जुड़ा है। हैदराबाद में शुक्रवार को एक कार्यक्रम में ओवैसी ने कहा कि मोदी को अपने भाषण में इजराइली आतंकवाद के बारे में भी बोलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि AIMIM ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ हमेशा बोला है। दरअसल, मोदी 25 फरवरी को अपने 2 दिन के दौर पर इजराइल पहुंचे थे। पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया गया। मोदी नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। ओवैसी की ये टिप्पणी इसी दौरे को लेकर आई। असम के चीफ मिनिस्टर हिमंता बिस्व सरमा पर मुस्लिम ऑटो ड्राइवरों के लिए कम किराए का सुझाव देने वाली टिप्पणी पर भी ओवेसी ने निशाना साधा। ओवैसी ने पूछा कि क्या सरमा बिजली के फायदे के लिए देश को कमजोर करेंगे। उन्होंने कहा कि देश को कमजोर करने के लिए पाकिस्तान, चीन को आने की जरूरत नहीं है। आप सोशल ताने-बाने को तोड़ रहे हैं।

तमिलनाडु में एक फेज में चुनाव होगा :ज्ञानेश कुमार

इसपर आखिरी फैसला जल्द करेंगे, एसआईआर के बाद राज्य में 5.67 करोड़ वोटर बचे

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। चीफ इलेक्शन कमिश्नर (CEC) ज्ञानेश कुमार ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कॉन्फ्रेंस ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु में एक फेज में ही चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि इसपर आखिरी फैसला जल्द करेंगे। CEC ने कहा कि तमिलनाडु इलेक्शन में रिकॉर्ड बनाएगा और बिहार से बहुत बेहतर होगा। उन्होंने राज्य के सभी वोटरों से आने वाले विधानसभा चुनावों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि हाल ही में राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) कराया गया है। इसके बाद वर्तमान में यहां 5 करोड़ 67 लाख वोटर हैं। यहां 75,000 पोलिंग स्टेशन होंगे, जिनमें से 44,000 ग्रामीण इलाकों में होंगे। ट्रांसपेरेंसी पक्का करने के लिए हर पोलिंग बूथ पर 100% वेबकास्टिंग होगी। चुनाव आयोग (ECI) ने सोमवार को स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) 2026 के तहत तमिलनाडु की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश कर दी है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

एआई के कारण एंट्री लेवल जॉब खतरे में

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) अब सिर्फ तकनीक नहीं, यह दुनिया के कारोबार, नौकरियों और समाज को बुनियादी रूप से बदल रहा है। बीसीजी-मोलोको की रिपोर्ट बताती है कि न्यूज, ट्रेवल और शिक्षा जैसे क्षेत्रों के लिए एआई सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि चैटजीपीटी जैसे टूल्स अब सीधे ग्राहक और ब्रांड के बीच आ गए हैं। ये टूल जो कंपनियां अपना डेटा और ग्राहक संबंध मजबूत नहीं करेंगी, वे पिछड़ जाएंगी।

एनसीईआरटी की एडवाइजरी, आठवीं की बैन पुस्तक है तो लौटाएं

नई दिल्ली। NCERT ने शुक्रवार को एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक 'Exploring Society : India and Beyond - Part 2' जिन व्यक्तियों या संगठनों के पास है वे इस किताब को तुरंत लौटाएं। इसमें कहा गया है कि कक्षा 8 की जिस किताब में "न्यायपालिका में भ्रष्टाचार" वाला अध्याय था उसकी सभी प्रतियां वापस NCERT मुख्यालय में जमा कराई जाएं। NCERT ने यह भी कहा कि इस किताब के 'The Role of the Judiciary in Our Society' अध्याय से जुड़ा कोई भी कंटेंट यदि सोशल मीडिया या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शेयर किया गया है, तो उसे तुरंत हटा दिया जाए।

तीन महीने से डाइट पर 3 साल की मासूम

इंदौर। स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (SMA) टाइप- 2 बीमारी से ग्रसित 3 साल 2 महीने की मासूम अनिका शर्मा के पास इलाज का आखिरी मौका बचा है, अगर उसका वजन 13.5 किलो हो गया तो उसका इलाज हो पाना भी मुश्किल है। इसलिए उसे माता-पिता ने डाइट पर रखा है। तीन महीने से उसे खाना नहीं दिया।

यूपी में होली की 3 दिन की छुट्टी

संडे मिलाकर 4 दिन लगातार अवकाश, त्योहार से पहले सभी को मिलेगी सैलरी

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में 17 लाख कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश में होली में 3 दिन का अवकाश रहेगा। योगी सरकार ने शुक्रवार को इसके आदेश जारी किए। सरकार ने 2, 3 और 4 मार्च यानी सोमवार, मंगलवार और बुधवार की छुट्टी का ऐलान किया है। जबकि 1 मार्च को रविवार है। यानी रविवार से बुधवार तक एक साथ 4 दिन की छुट्टी मिलेगी। 28 फरवरी यानी शनिवार को कार्यदिवस घोषित किया है। यानी, इस दिन सभी विभाग खुले रहेंगे और उनमें काम होगा। आखिरी शनिवार यानी 28 फरवरी के बदले सरकार ने 2 मार्च का अवकाश दिया है। योगी ने अफसरों को आदेश दिया कि प्रदेश के सभी कर्मचारियों को होली से पहले हर हाल में सैलरी/मानदेय दिया जाए। इनमें आउटसोर्सिंग, संविदाकर्मी, सफाईकर्मी भी शामिल हैं।

>> (शेष पेज 04

"सीएम के फैसले पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा था- मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय बढ़ाने का निर्णय निश्चय ही अत्यंत सराहनीय एवं ऐतिहासिक है। अप्रैल से शिक्षामित्रों को 18,000 और अनुदेशकों को 17,000 मानदेय दिया जाएगा। यह निर्णय प्रदेश के लाखों शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के अथक परिश्रम, समर्पण तथा शिक्षा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा का सम्मान है।"

अग्रिम जमानत पर फैसला सुरक्षित, सरकारी वकील की दलील- वे बहुत ताकतवर, केस प्रभावित करेंगे

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की रोक

- शंकराचार्य ने अदालत के फैसले को लेकर अपने वकील से बातचीत की।
- शंकराचार्य के मठ में रंगभरी एकादशी मनाने की तैयारी चल रही है। फैसले का लोगों ने स्वागत किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न केस में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा ने अग्रिम जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। हाईकोर्ट के फैसले पर शंकराचार्य ने कहा, शंकराचार्य जैसी संस्था को बदनाम करने की कोशिश की गई। आज जो हालात हैं कि अपने भाई पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। सारा अमला भ्रष्ट नहीं हो सकता।

>> (शेष पेज 04 पर)

"इससे पहले, शंकराचार्य के वकील श्रीनाथ त्रिपाठी को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी अजीत कुमार सरोज को पुलिस ने करीब 20 घंटे बाद पकड़ा।"

कोर्ट ने 2 बड़ी बातें कही-

- फैसला आने तक गिरफ्तारी नहीं होगी।
- शंकराचार्य जांच में सहयोग करें।

अदालत में शंकराचार्य का पक्ष वकील पीएन मिश्रा ने रखा, जबकि राज्य सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल पेश हुए। शिकायतकर्ता आशुतोष महाराज की वकील रीना सिंह ने भी दलीलें रखीं। अब मार्च के तीसरे हफ्ते में केस की सुनवाई होगी।

हड़कंप : तेज झटके महसूस हुए, इमारतें हिलीं, लोग सड़कों पर निकले, बांग्लादेश के ढाका में था केंद्र

कोलकाता सहित बंगाल के कई जिलों में भूकंप

1.22 बजे दोपहर मे आया भूकंप
5.5 तीव्रता

तमसा संकेत, एजेंसी

■ कोलाकात के बेहाला इलाके में एक सड़क के बीचोंबीच दरार आ गई।

कोलकाता। कोलकाता और पश्चिम बंगाल के आसपास के जिलों में शुक्रवार दोपहर करीब 1.22 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। कोलकाता में लगभग 10 सेकंड तक झटके महसूस हुए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के सतखीरा जिले में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इसकी तीव्रता 5.5 दर्ज की गई। सतखीरा कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर और नॉर्थ 24 परगना जिले से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कोलकाता में भूकंप के बाद करीब एक घंटे तक सड़कों और खुले जगहों पर अफरातफरी की स्थिति रही। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए।

कोलकाता में इस महीने दूसरी बार भूकंप

कोलकाता में इस महीने यह दूसरी बार भूकंप आया है। इससे पहले 3 फरवरी की रात को भी कोलकाता में भूकंप आया था। तब भूकंप का केंद्र म्यांमार में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6 दर्ज की गई थी। बंगाल में लगातार आ रहे भूकंप से लोगों में चिंता बढ़ गई है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। इससे पहले नंवबर 2025 में बांग्लादेश के ढाका और चिटगांव समेत कई इलाकों में भूकंप आया था। इसके झटके पश्चिम बंगाल के कोलकाता, सिलीगुड़ी और उत्तर-पूर्वी भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे।

टीवीके चीफ-एक्टर विजय की पत्नी ने तलाक याचिका दायर की

चेन्नई। तमिल सुपरस्टार और तमिलगा वेट्री कजगम (TVK) प्रमुख विजय की पत्नी संगीता ने 24 फरवरी 2026 को चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए याचिका दाखिल की है। याचिका में विजय पर एक एक्ट्रेस के साथ अवैध संबंध का आरोप लगाया गया है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर केस फैमिली वेलफेयर कमिटी को भेज दिया। दंपति पिछले दो साल से अलग रह रहे थे। दोनों की शादी 1999 में हुई थी। शादी को 27 साल हो चुके हैं। कोर्ट में इस मामले पर अगली सुनवाई 20 अप्रैल को करेगा। विजय की टीम और संगीता ने मामले पर अबतक कोई बयान नहीं दिया है। विजय और संगीता की शादी को करीब 27 साल हो चुके हैं। 25 अगस्त 1999 को कपल शादी के बंधन में बंधे थे। जल्द ही दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया और दोनों ने शादी का फैसला कर लिया। दोनों ने उस दौर में हिंदू और ईसाई दोनों धर्मों से शादी की थी।

5 कुत्तों ने बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला

शरीर के हर हिस्से पर काटा, पिता ने छुड़वाया

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

जालंधर। जालंधर में 5 कुत्तों के झुंड ने 6 साल के बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला। वह अपनी मां के साथ खेत पर पिता को खाना देने गया था। जहां बच्चा शौच के लिए खेत में चला गया। इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। इस दौरान कुत्तों ने उसके सिर पर सबसे ज्यादा नोचा, इसके अलावा शरीर के अन्य हिस्सों पर भी काट लिया। बेटे के चिल्लाने की आवाज सुनकर माता-पिता भागे और बेटे को कुत्तों के चंगुल से छुड़वाया।

>> (शेष पेज 04 पर)

- अस्पताल में भर्ती बच्चा, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।
- बच्चे को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया, कुत्तों ने उसके सिर पर सबसे अधिक बार काटा।

सम्पादकीय

इंसेफ्लाइटिस पर निर्णायक विजय

एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम (एईएस) और जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई) के खिलाफ उत्तर प्रदेश की सफलता हाल के समय की सबसे उल्लेखनीय जनस्वास्थ्य उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कठोर क्रियान्वयन क्षमता ने राज्य को 2017 में 5,400 से अधिक मामलों और 650 से अधिक मौतों से 2024 में मामलों में तीव्र गिरावट और शून्य मृत्यु तक पहुंचा दिया। यह एक ऐसी सफलता है जो कभी भारत के सबसे खराब स्वास्थ्य सूचकांकों से जकड़े राज्य के खाते में गई है। चार दशकों तक इंसेफ्लाइटिस ने पूर्वी उत्तर प्रदेश को झकझोर कर रखा था। गोरखपुर इसका केंद्र रहा, जबकि कुशीनगर, महाराजगंज, देवरिया, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर और बस्ती जैसे जिले इसकी चपेट में रहे। यह बीमारी बच्चों और युवाओं को अचानक तेज बुखार और मानसिक भ्रम के साथ जकड़ लेती थी, जो अक्सर मौत का कारण बन जाती थी। जो बच जाते, वे जीवनभर न्यूरोलाजिकल और शारीरिक अक्षमता से पीड़ित रहते। वर्ष 2017 तक इस बीमारी ने लगभग 50 हजार जानें ले लीं, जिनमें अधिकांश बच्चे थे। यह आंकड़ा न केवल चिकित्सा विफलता, बल्कि दशकों की प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी का प्रतीक था। दूषित पानी, कुपोषण, गंदगी और अस्वच्छ जीवन स्थितियों ने संक्रमण को बढ़ावा दिया, ऊपर से पूरी तरह से जर्जर स्वास्थ्य ढांचे ने हालात को काफी गंभीर बना दिया था। राज्य में तब बच्चों के लिए आईसीयू का अभाव, कमजोर लैब सुविधाएं, अपर्याप्त एंबुलेंस सेवाएं आम बात थीं। यही कारण था कि 2017 तक 28 जिले लगातार संक्रमित रहे और इंसेफ्लाइटिस राज्य की विफलता का प्रतीक बन गया। इसी पृष्ठभूमि में 2017 के चुनाव अभियान में प्रधानमंत्री मोदी ने निर्णायक कार्रवाई का वादा किया। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालते ही इंसेफ्लाइटिस उन्मूलन प्राथमिकता बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में इसे मिशन मोड पर लिया गया। चुनौती केवल बीमारी से लड़ने की नहीं थी, बल्कि भरोसेमंद स्वास्थ्य ढांचा खड़ा करने की भी थी। इसके बाद जो हुआ वह किसी बिखरे हुए हस्तक्षेप या संकट-प्रतिक्रिया तंत्र तक सीमित नहीं था, बल्कि केंद्र की सतत निगरानी, संसाधन आवंटन, विभागीय समन्वय और रणनीतिक नेतृत्व पर आधारित एक व्यापक और व्यवस्थित सुधार कार्यक्रम था। सात विभागों को जोड़कर समग्र योजना बनी। वर्ष 2019 में गोरखपुर में एम्स की स्थापना, आइसीएमआर की भूमिका मजबूत हुई। सक्रिय सर्वेक्षण से इंसेफ्लाइटिस के कारणों और जोखिमों की पहचान हुई, लैब अपग्रेड हुए, डायग्नोस्टिक किट विकसित हुईं। बीआरडी मेडिकल कालेज, गोरखपुर को उन्नत किया गया, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इंसेफ्लाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर बने, एंबुलेंस सेवाएं शुरू हुईं। बुखार-ट्रैकिंग सिस्टम ने इंसेफ्लाइटिस की शुरुआती पहचान को संभव बनाया। व्यापक टीकाकरण अभियान ने जेई वायरस के प्रसार को रोका। वर्ष 2018 में बीआरडी मेडिकल कालेज में बाल पुनर्वास केंद्र स्थापित हुआ, जिससे दिव्यांग बच्चों को दीर्घकालिक देखभाल मिली। अस्पतालों से परे असली सफलता जीवन स्तर और स्वच्छता सुधार से मिली। पूर्वी उत्तर प्रदेश में केंद्र की योजनाएं सटीकता से लागू हुईं। जैसे स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय बने, जल जीवन मिशन से नल से जल कनेक्शन दिया गया, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से संक्रामक रोग अभियान चला, पोषण अभियान से बच्चों एवं माताओं को पोषण दिया गया और आयुष्मान केंद्रों एवं आरोग्य मेले से मुफ्त इलाज किया गया। इन सुधारों ने सीधे तौर पर कुपोषण, असुरक्षित पानी और खराब स्वच्छता जैसी जड़ों पर चोट की। ये वे संरचनात्मक विफलताएं थीं, जिन्होंने वर्षों तक एईएस और जेई के प्रसार को बढ़ावा दिया था। इसके साथ ही फ्रंटलाइन स्टाफ, सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्यकर्मियों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की व्यापक क्षमता-वृद्धि ने समर्पित और सक्षम जनशक्ति तैयार की। जागरूकता अभियानों, हिंदी प्रोटोटाइप्स और जमीनी स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं एवं 'दस्तक' अभियान के माध्यम से जनजागरूकता फैलाई गई, स्वच्छता व्यवहार को नया रूप दिया गया और रोकथाम की आदतों को मजबूत किया गया। इन सब कदमों के नतीजे चौंकाने वाले रहे। एईएस के मामले 2017 में 4,759 से घटकर 2024 में 116 रह गए। जेई के मामले 677 से घटकर पांच। मौतें 2017 में एईएस से 594 और जेई से 81 थीं, जो 2024 में शून्य हो गई। सबसे अहम बात यह रही कि यह सफलता तीन कारकों से संभव हुई- केंद्र और राज्य के बीच तालमेल जिसने विभागीय और एजेंसी स्तर पर प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया, संरचनात्मक सुधार जिन्होंने पोषण, स्वच्छता और पानी जैसी जड़ों पर चोट की और राजनीतिक इच्छाशक्ति जिसने मिशन मोड में जवाबदेही के साथ क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी। ये सब सहकारी संघवाद का सफल उदाहरण बने, जिसने दशकों की उपेक्षा से शिकार हो रहे हजारों जीवन बचाए। उत्तर प्रदेश का यह लक्षित हस्तक्षेप राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन का उत्प्रेरक बना और उसे हेल्थकेयर एवं मेडटेक का उभरता हुआ केंद्र बना दिया।

नए नेतृत्व की तलाश में मुस्लिम समाज

> समस्या यही है कि जिन दलों को मुस्लिम वोट मिलता है, वो सत्ता पाने के बाद उनका ध्यान नहीं रखते हैं। वास्तव में ये राजनीतिक दल उन्हें सत्ता में समुचित भागीदारी नहीं देते हैं। इसके कारण मुस्लिम समुदाय में असंतोष बढ़ता जा रहा है। न तो विपक्षी दल भाजपा को रोक पा रहे हैं।

पूरा विपक्ष एक अंजान डर से भयभीत है, उसे समझ नहीं आ रहा है कि अगर उसका डर सच साबित हो गया तो उसकी राजनीति का क्या होगा। इस डर को देश ने तब देखा, जब संसद परिसर का एक वीडियो सामने आया। सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संसद परिसर में अपने साथियों से बात करते नजर आ रहे हैं। वो कहते हैं कि उसको यूपी में न आने दो, वो अगर आया तो वो खत्म हो जाएगा क्योंकि वो नेशनल पार्टी नहीं है लेकिन वो हमें भी खत्म कर देगा। वो असदुद्दीन ओवैसी ओवैसी के बारे में बोल रहे थे। ये बात वो अपने साथियों के साथ कर रहे थे लेकिन कैमरे पर पकड़े गए। सवाल यह है कि कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी का नेता एआईएमएएम जैसी छोटी सी पार्टी से क्यों डरा हुआ है। सच तो यह है कि यूपी में कांग्रेस के पास भी कुछ बचा नहीं है जिसे ओवैसी खत्म कर देंगे। वास्तव में उत्तरप्रदेश में कांग्रेस पूरी तरह से समाजवादी पार्टी के रहमो करम पर जिंदा है। समाजवादी पार्टी भी एक अंजान डर से जूझ रही है। उसे पता है कि कांग्रेस के पास ऐसा कुछ नहीं है कि उससे गठबंधन करने से कुछ फायदा हो। वास्तव में समाजवादी पार्टी को डर है कि अगर कांग्रेस अलग चुनाव लड़ती है तो मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव हो सकता है। समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन उसके मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर टिका हुआ है. इसमें थोड़ा सा भी परिवर्तन उसके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि कांग्रेस के अलग चुनाव लड़ने से मुस्लिम वोट बैंक का कुछ हिस्सा उसके खाते में जा सकता है। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी अपने डर से बाहर नहीं निकल पा रही है। इसका बड़ा फायदा कांग्रेस को मिल रहा

है। असदुद्दीन ओवैसी ने देश के हर हिस्से में जाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। जहां भी मुस्लिम समाज चुनाव परिणाम बदलने की हैसियत रखता है, वहां ओवैसी जरूर चुनाव लड़ते हैं। उत्तरप्रदेश की कई विधानसभा सीटों पर मुस्लिम समाज जीत और हार तय करता है, इसलिए ओवैसी का वहां जाना तय है। इसी बात का डर कांग्रेस अध्यक्ष को सता रहा है। वास्तव में मुस्लिम समाज धीरे-धीरे सेक्युलर राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों से दूर होता जा रहा है। मुस्लिम समुदाय की राजनीतिक सोच यह है कि जो भी दल और उम्मीदवार भाजपा को हरा सकता है, उसको वोट दिया जाए। पिछले कुछ समय से जहां भी भाजपा और विपक्ष का मुकाबला होता है, वहां मुस्लिम वोटों में जबरदस्त ध्रुवीकरण देखने को मिलता है। पहले इस ध्रुवीकरण का फायदा विपक्ष को जबरदस्त तरीके से मिलता था और भाजपा को नुकसान होता था। 2014 के बाद भारतीय राजनीति पूरी तरह से बदल गई है। अब मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की प्रतिक्रिया में हिन्दू वोटों का भी ध्रुवीकरण होने लगा है। धीरे-धीरे देश में हिन्दू वोट बैंक तैयार हो गया है और अब इतना ताकतवर हो गया है कि मुस्लिम वोट बैंक बेअसर होता जा रहा है। मुस्लिम समाज देख रहा है कि उसके एकमुश्त वोट देने के बावजूद विपक्षी दल भाजपा को रोक नहीं पा रहे हैं। विपक्षी दलों की बढ़ती चुनावी असफलता से मुस्लिम समाज में निराशा छाती जा रही है। ऐसा लगता है कि मुस्लिम समाज ने तय कर लिया है कि जब तथाकथित सेक्युलर दल भाजपा को हराने की क्षमता खो चुके हैं तो उन्हें नया नेतृत्व ढूंढना चाहिए। अब ऐसा लगता है कि उन्होंने नए नेतृत्व के लिए मुस्लिम समाज में ही खोज शुरू कर दी है। वर्तमान राजनीति में मुस्लिम समाज के लिए मुस्लिम नेतृत्व की तलाश असदुद्दीन ओवैसी पर जाकर खत्म हो रही है। विपक्षी दल औवेसी की पार्टी को भाजपा की 'बी टीम' का तमगा देकर मजाक उड़ाते रहे हैं लेकिन अब उनका विमर्श खत्म होता दिखाई दे रहा है। बिहार और महाराष्ट्र ने दिखा दिया है कि धीरे-धीरे ओवैसी मुस्लिम समाज में अपनी जगह बना रहे हैं। उनकी पार्टी को हैदराबाद तक सीमित बताया जाता था, लेकिन अब वो पूरे देश की पार्टी बनने की ओर चल पड़ी है। बेशक राजनीतिक रूप से यह पार्टी मजबूत दिखाई न दे रही हो लेकिन मुस्लिम वोटों को देखते हुए इसकी ताकत में लगातार इजाफा हो रहा है। इसकी बढ़ती ताकत ने ही विपक्षी दलों में हड़कंप पैदा किया हुआ है। मुस्लिम वोटों में बिखराव पूरे विपक्ष के लिए चिंता का विषय है। आज़ादी के बाद से ही मुस्लिम वोट बैंक पर कांग्रेस का एकाधिकार रहा है लेकिन 1990 के बाद इस वोट बैंक के कई दावेदार पैदा हो गए। यूपीए के शासन में कांग्रेस का अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन था, इसलिए इस वोट बैंक में बिखराव नजर नहीं आ रहा था लेकिन भाजपा की बढ़ती ताकत ने इसे सामने ला दिया है। जहां कांग्रेस के विकल्प के रूप में क्षेत्रीय दल ताकतवर हो गए, वहां मुस्लिमों ने कांग्रेस को छोड़कर उनका साथ देना शुरू कर दिया। अब कांग्रेस को वहीं मुस्लिम वोट मिलते हैं, जहां वो भाजपा के सामने एकमात्र विकल्प होती है। कांग्रेस से मुस्लिम वोट बैंक का छिटकना ही उसको राज्यों की राजनीति से बाहर कर रहा है। बंगाल में टीएमसी, तमिलनाडु में डीएमके, बिहार में राजद, यूपी में सपा के साथ मुस्लिम वोट बैंक चला गया है। बंगाल के अलावा अन्य राज्यों में विपक्षी दलों ने कांग्रेस के साथ गठबंधन बनाया हुआ है क्योंकि वो समझते हैं कि कांग्रेस का अलग लड़ना उनके लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसका फायदा कांग्रेस को हुआ है क्योंकि उसने इन राज्यों में अपना अस्तित्व बचाया हुआ है। सच तो यह है कि मुस्लिम समाज का बड़ा हिस्सा आज भी कांग्रेस का समर्थक है। समस्या यह है कि सभी विपक्षी दल मिलकर भी भाजपा को सत्ता से बेदखल नहीं कर पा रहे हैं। इससे मुस्लिम समुदाय ने नए नेतृत्व की तलाश शुरू कर दी है। दिक्कत यह है कि कोई भी मुस्लिम आधारित राजनीतिक दल राष्ट्रीय स्तर पर मौजूद नहीं है। ओवैसी का दल कई राज्यों में मुस्लिम बहुल सीटों पर जोर आजमाइश करता है लेकिन उसे मुस्लिम वोट नहीं मिलता है। अब धीरे-धीरे इसमें बदलाव आ रहा है। बिहार और महाराष्ट्र का यही संदेश है। खड़गे का डर गलत नहीं है लेकिन उनका यह कहना कि वो खत्म हो जाएगा, ये सही नहीं है। ओवैसी लगातार ताकतवर हो रहे हैं क्योंकि मुस्लिमों में उनका समर्थन बढ़ता जा रहा है। मुस्लिम समाज के किसी भी मुद्दे पर उनका बयान सबसे पहले आता है। बेशक उनकी पार्टी बहुत छोटी हो लेकिन मुस्लिम मुद्दों पर मीडिया उनके बयानों को बहुत महत्व देता है। मुस्लिम मुद्दों पर जितनी मुखरता से ओवैसी अपनी बात रखते हैं, उतनी मुखरता अन्य विपक्षी दलों में दिखाई नहीं देती । सवाल यह है कि मुस्लिम समाज की नेतृत्व की तलाश क्या ओवैसी जैसे नेताओं पर जाकर समाप्त होगी । अगर ऐसा होगा, तो ये देश के लिए अच्छा नहीं होगा। ओवैसी भीम-मीम की राजनीति करके ताकतवर बनना चाहते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि केवल मुस्लिम वोटों के सहारे वो ज्यादा आगे नहीं जा सकते। वर्तमान राजनीति में कहीं से नहीं लगता कि ओवैसी की भीम-मीम वाली राजनीति सफल हो सकती है। विपक्षी दलों को मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति से आगे बढ़कर उन्हें उचित प्रतिनिधित्व देने पर विचार करना होगा। दशकों से मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करते आ रहे विपक्षी दल बड़ा मुस्लिम नेता नहीं पैदा कर पाए हैं। समाजवादी पार्टी के रवैये को लेकर अफजाल अंसारी का बयान महत्वपूर्ण है कि यादवों को कुर्बानी देनी होगी। उनके कहने का तात्पर्य यह है कि समाजवादी पार्टी को मुस्लिमों को सत्ता में उचित भागीदारी देनी होगी। डर यही है कि कहीं ये तलाश कट्टरपंथियों पर जाकर न रुक जाए।

■ राजेश कुमार पासी

जन सुराज का...

ललित गर्ग

शिक्षा में न्यायपालिका: संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में "हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका" शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि "किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा" केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय

न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए। शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है-पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें। यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं। केवल किसी एक संस्था को केंद्र में रखकर समस्या का चित्रण करना न तो शैक्षिक रूप से न्यायोचित है और न ही संवैधानिक संतुलन के अनुरूप।

न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक् विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है। इस संदर्भ में एक नई शैक्षिक संरचना की आवश्यकता अनुभव होती है। पाठ्य पुस्तकों में "संस्थागत अध्ययन" का प्रारूप इस प्रकार विकसित किया जा सकता है जिसमें तीन आयाम हों-संविधान द्वारा प्रदत्त भूमिका, वास्तविक चुनौतियां और सुधार की पहल। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका पर अध्याय में उसके ऐतिहासिक निर्णय, जनहित याचिका की परंपरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा, साथ ही लंबित मामलों की समस्या और न्यायिक सुधार आयोगों की सिफारिशों का संतुलित उल्लेख किया जाए।

कई लोग डर...

बाबूलाल नागा

अंधविश्वास और पाखण्ड से बाहर आएं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएं

28 फरवरी का दिन केवल एक तिथि नहीं बल्कि समाज के लिए चेतना और जागरूकता का अवसर है। इसी दिन 1928 में भारत के महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन ने 'रमन प्रभाव' की खोज करके भारत को वैज्ञानिक दुनिया में स्थापित किया। यह खोज न केवल विज्ञान की उपलब्धि थी बल्कि यह दिखाती है कि तर्क, प्रयोग और जिज्ञासा के बल पर समाज और राष्ट्र दोनों नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं। आज, जब हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मना रहे हैं, तो यह सवाल उठाना भी जरूरी है कि क्या हम सच में वैज्ञानिक सोच को अपने जीवन में उतार पाए हैं या सिर्फ तकनीक और दिखावे के पीछे भाग रहे हैं। आज का समाज तकनीक के मामले में काफी आगे बढ़ चुका है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान, आधुनिक अस्पताल—यह सब हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। किसान नई तकनीक से खेती कर रहे हैं, बच्चे डिजिटल माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं। बावजूद इसके समाज के एक बड़े हिस्से में अंधविश्वास और पाखण्ड की जड़ें गहरी बनी हुई हैं। लोग बीमारी में डॉक्टर की बजाय झाड़-फूंक और टोटकों का सहारा लेते हैं। प्राकृतिक घटनाओं को चमत्कार या अशुभ संकेत बताकर डर फैलाते हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में वैज्ञानिक सलाह की बजाय पारंपरिक और तर्कहीन पद्धतियों पर भरोसा किया जाता है। यह स्थिति न केवल तर्कहीनता को दिखाती है, बल्कि हमारे संविधान द्वारा स्थापित मूल्यों और अधिकारों के खिलाफ भी है। संविधान ने हर नागरिक को ज्ञान का अधिकार (आर्टिकल 21ए), समानता और स्वतंत्रता का अधिकार (आर्टिकल 14, 19) और समान अवसर का अधिकार (आर्टिकल 15) दिया है। जब हम अंधविश्वास और झूठी मान्यताओं के अधीन

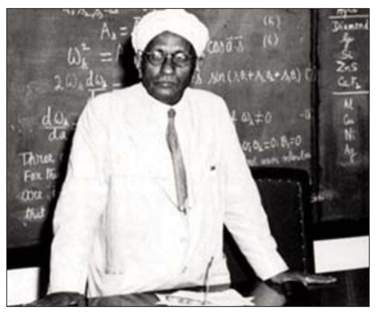

रहते हैं, तब हम न केवल अपने अधिकारों से वंचित होते हैं बल्कि समाज में समानता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करते हैं। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब नागरिक सोच-समझकर निर्णय लें और सत्य पर आधारित जानकारी अपनाएं। अंधविश्वास केवल व्यक्तिगत सोच की कमजोरी नहीं है बल्कि यह एक संगठित उद्योग का रूप भी ले चुका है। कई लोग डर और आशंका का फायदा उठाकर दूसरों को शोषित करते हैं। टोटकों, मंत्रों और चमत्कारों के नाम पर आर्थिक और मानसिक शोषण होता है। गरीब और अशिक्षित वर्ग इसका सबसे अधिक शिकार होता है। संवैधानिक रूप से सभी नागरिकों को समान सुरक्षा और संरक्षण का अधिकार है, लेकिन अंधविश्वास इसे कमजोर कर देता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का अर्थ है हर बात का कारण जानने की जिज्ञासा रखना, प्रमाण मांगना और तर्क के आधार पर निर्णय लेना। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और कक्षा की किताबों तक सीमित नहीं है, यह जीवन जीने का तरीका है। जब समाज में यह मानसिकता विकसित होगी, तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। बच्चों को बचपन से ही सवाल पूछने, प्रयोग करने और तथ्यों को परखने की आदत डालना जरूरी है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

ज्ञान चंद पाटनी

नस्लीय घृणा देश की एकता के लिए घातक, बदलनी होगी मानसिकता

दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन युवतियों के साथ हुई नस्लीय दुर्व्यवहार की घटना ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर दिया है। एसी लगवाने के दौरान ड्रिलिंग से निकला मलबा पड़ोसियों के एसी कंप्रेसर पर गिरा और इसी छोटी सी बात ने नस्लीय घृणा का रूप ले लिया। ₹मोमोर₹, ₹मसाज पार्लर वालीर₹, ₹चाइनीजर₹ जैसे अपमानजनक शब्दों ने न केवल इन लड़कियों को ठेस पहुंचाई बल्कि पूर्वोत्तर भारत के लाखों लोगों की पीड़ा को फिर से उजागर कर दिया। एक लड़की दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा है, दूसरी ओटीटी टेकनीशियन, तीसरी सिविल सेवा की तैयारी कर रही है. ये सभी सात महीने से किराए के फ्लैट में रह रही थीं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह घटना महानगरों में पूर्वोत्तर के लोगों के साथ होने वाले भेदभाव की कड़वी सच्चाई को सामने लाती है। पूर्वोत्तर के निवासी शिक्षा, नौकरी और बेहतर अवसरों के लिए दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे शहरों में आते हैं लेकिन यहां उन्हें अक्सर ₹परायार₹ महसूस होता है। उनकी आंखों की बनावट, छोटे कद, अलग खान-पान या बोली को आधार बनाकर उनको अपमानित किया जाता है। कोविड के दौरान भी उनके साथ भेदभाव नजर आया था। घर खोजने में दिक्कत, ऊंचा किराया —ये रोजमर्रा की कहानियां हैं। मेट्रो में ₹चाइनीजर₹ कहकर बुलाना, सड़कों पर जानबूझकर अपशब्द बोलने जैसी शिकायतें आम हैं। यह इक्का-दुक्का नहीं, समाज में गहरी जड़ें जमा चुका नस्लवाद है। यह पहली घटना नहीं है। नस्लीय दुर्व्यवहार ही नहीं, हिंसा के मामले भी सामने आते रहते हैं। 2014 में अरुणाचल के निडो तानिया को नस्लीय टिप्पणी का विरोध करने पर पीट-पीटकर मार दिया गया। 2012 में रिचर्ड लोइताम और 2014 में शालोनी जैसे युवाओं की संदिग्ध मौतें हुईं। बेंगलुरु में 2023 में पूर्वोत्तर के छात्रों पर हमले, पुणे में हिंसा के मामले भी सभी को याद हैं। उत्तराखंड के देहरादून शहर में त्रिपुरा के दो भाइयों पर हमले की घटना भी ज्यादा पुरानी नहीं है जिसमें घायल होने के बाद एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था। सुप्रीम कोर्ट तक सांस्कृतिक भिन्नताओं के नाम पर भेदभाव की निंदा कर चुका है। बेजबरुआ समिति का गठन हुआ लेकिन जमीनी बदलाव कम ही दिखा। पढ़े-लिखे लोग भी अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं जो सबसे दुखद है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर-पूर्व के लोगों के साथ होने वाले नस्लीय भेदभाव और हिंसा से जुड़े मामलों पर गंभीरता दिखाते हुए गृह मंत्रालय द्वारा गठित निगरानी समिति को निर्देश दिया कि वह कम से कम हर तीन महीने में एक बार बैठक करे। अदालत ने यह भी कहा कि समिति किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान ले और आवश्यकता होने पर तुरंत बैठक बुलाकर सुधारात्मक कदम उठाए। इस नस्लवाद की जड़ें सांस्कृतिक अज्ञानता में हैं। मुख्यधारा का मीडिया पूर्वोत्तर को कम कवर करता है। उनके त्योहार, परंपराएं, इतिहास के बारे में देश के दूसरे क्षेत्रों के लोगों को ज्यादा जानकारी नही है। नक्शे में पूर्वोत्तर भले ही छोटा सा नजर आए, लेकिन यह जैव विविधता, संस्कृतियों का खजाना है। ₹एकता में अनेकता भारत की विशेषता₹ का नारा दिया जाता है लेकिन नस्लीय भेदभाव की घटनाओं से साफ है कि जमीनी स्तर पर पूर्वाग्रह बरकरार है। ताजा घटनाक्रम से दिल्ली में रह रही तीनों युवतियां डर गईं, परिवार वाले उनको वापस बुला रहे हैं। यह पूरा घटनाक्रम व्यक्तिगत आघात तो है ही राष्ट्र की एकता पर भी चोट है। नस्लवाद पर अंकुश के लिए बहुआयामी प्रयास जरूरी हैं। सबसे पहले कानूनी सख्ती जरूरी है। ऐसे मामले में एफआईआर तुरंत दर्ज हो, गिरफ्तारी हो, फास्ट ट्रैक ट्रायल हो। इस तरह के मामलों में तेजी से सजा होगी, तो समाज में सही संदेश जाएगा। स्कूल पाठ्यक्रम में पूर्वोत्तर के इतिहास, संस्कृति को शामिल किया जाना चाहिए। बड़े शहरों में पूर्वोत्तर फूड फेस्टिवल, सांस्कृतिक मेले आयोजित किए जाएं। विश्वविद्यालयों में पूर्वोत्तर स्टडीज सेंटर बनाएं। सामुदायिक जागरूकता के कैंपेन चलाए जाएं। कॉरपोरेट्स, हाउसिंग सोसायटीज में संवेदनशीलता वर्कशॉप अनिवार्य करें। पुलिस नस्लीय भेदभाव की शिकायतों को गंभीरता से ले। मीडिया भी अपनी जिम्मेदारी समझे। पूर्वोत्तर को मुख्यधारा में लाए। इन राज्यों की संस्कृति को हाइलाइट करे। सिनेमा, ओटीटी पर भी ऐसी फिल्में बनें। बेजबरुआ समिति की सिफारिशों को ठीक तरीके से लागू किया जाए। पूर्वोत्तर के लोगों के लिए हेल्पलाइन शुरू हो और काउंसलर नियुक्त करें। दिल्ली जैसे शहरों में पूर्वोत्तर एसोसिएशन को मजबूत किया जाए। पूर्वोत्तर के लोगों की भी जिम्मेदारी है कि सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग हो तो तुरंत रिपोर्ट करें, पड़ोसियों से बातचीत शुरू करें। अलग—थलग नहीं रहें। पूर्वोत्तर के लोग खुद सोशल मीडिया पर अपनी कहानियां शेयर करें। दिल्ली में नस्लीय भेदभाव का मामला सामने आने के बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिल्ली पुलिस से बात की और भेदभाव के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की नीति दोहराई। सिक्किम सीएम प्रेम सिंह तमांग, अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मणिपुर के पूर्व सीएम एन. बीरेन सिंह ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की और सख्त कार्रवाई की मांग की लेकिन यह पर्याप्त नहीं। पूर्वोत्तर पर चीन अपनी आंख लगाए हुए है। ऐसे समय में एकजुटता की जरूरत है। निश्चय ही समूचा पूर्वोत्तर भारत का अंग है। अगर कोई अरुणाचली युवती दिल्ली में असुरक्षित महसूस करे, तो राष्ट्र की एकता मजबूत कैसे हो सकती है। नस्लवाद अपराध है। शिक्षा, कानून और सांस्कृतिक मेलमिलाप के माध्यम से इस मानसिकता को खत्म किया जा सकता है।

मुकेश अंबानी के जामनगर वाले घर पर इवेंट हुआ, 5 मार्च को मुंबई में शादी है

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन के प्री-वेडिंग फंक्शन शुरू

■ अर्जुन तेंदुलकर की होने वाली पत्नी सानिया मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की पोती और सनी चंडोक की बेटी हैं।

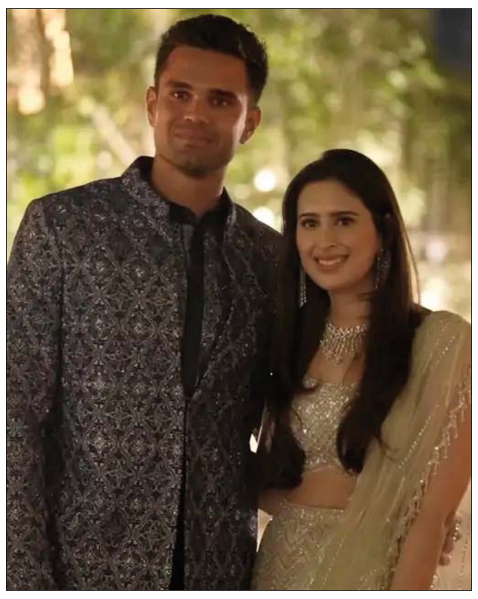

■ अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक। सारा एक पैट स्पा सेंटर की डायरेक्टर हैं।

जामनगर, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक के प्री-वेडिंग फंक्शन शुरू हो गए हैं। शुरुआत गुजरात के जामनगर में अंबानी परिवार के घर पर हुई, जहां तेंदुलकर और अंबानी परिवार के सदस्य देसी रंग में नजर आए। सचिन ने इस मौके पर बेटे को लेकर भावुक बात कही। उन्होंने कहा कि जब बेटा किसी लड़की को घर लाकर परिचय कराता है, तब पता चलता है कि बेटा बड़ा हो गया है। अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च को मुंबई में होने वाली है। दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन की बहन सारा की करीबी दोस्त भी हैं। तेंदुलकर और चंडोक फैमिली का स्वागत करते हुए नीता अंबानी ने कहा, 'सचिन और अंजलि, आप हमेशा से हमारे परिवार का हिस्सा रहे हैं। आपकी खुशी में शामिल होकर हमारा दिल खुशी से भर गया है। मैंने अर्जुन को एक छोटे बच्चे से एक जिम्मेदार युवक बनते देखा है। आज वह अपने जीवन की सबसे खूबसूरत साझेदारी की शुरुआत करने जा रहा है।' सचिन ने अपने बेटे की शादी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी न्योता दिया है।

सचिन बोले- बेटे को प्यार करने वाला जीवनसाथी मिला

कार्यक्रम का सबसे यादगार पल तब था जब सचिन तेंदुलकर ने माइक संभाला। सचिन ने कहा- 'अर्जुन, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। जब कोई बेटा, बेटी को घर लाता है और उसका परिचय कराता है तो पिता समझ जाता है कि बेटा अब बड़ा हो गया है। अर्जुन और सानिया एक-दूसरे के प्यार में पागल और बेहद खुश दिख रहे हैं। अर्जुन, तुम्हें ऐसा साथी मिल गया है, जो तुमसे उतना ही प्यार करता है, जितना तुम उससे करते हो।'

मेसी का खुलासा- स्पेन से खेलने का ऑफर ठुकराया

बोले- भाषा की कमी से कई बड़े लोगों से खुलकर बात नहीं कर सका

मैक्सिको, एजेंसी

■ मेसी अब अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और तैयारी के महत्व के बारे में लगातार समझाते हैं।

अर्जेंटीना के वर्ल्ड कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने अपने करियर और निजी जीवन से जुड़े कई अहम पहलुओं पर खुलकर बात की है। एक मैक्सिकन पॉडकास्ट के दौरान मेसी ने स्वीकार किया कि बचपन में अंग्रेजी न सीख पाना उन्हें अब भी खलता है। 38 वर्षीय मेसी ने कहा, 'मुझे कई बातों का अफसोस है, लेकिन बचपन में अंग्रेजी न सीखना सबसे बड़ा पछतावा है। मेरे पास समय था, मैं पढ़ सकता था। करियर के दौरान मुझे दुनिया की कई बड़ी और प्रभावी हस्तियों से मिलने का मौका मिला, लेकिन भाषा की कमी के कारण मैं उनसे खुलकर संवाद नहीं कर सका। मैं ऐसे पलों में खुद को आधा अनजान महसूस करता था। अमेरिका के मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी के लिए खेल रहे मेसी अब अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और तैयारी के महत्व के बारे में लगातार समझाते हैं। मेसी 13 साल की उम्र में अपने शहर रोसारियो से स्पेन पहुंचे और बार्सिलोना की प्रसिद्ध एकेडमी ला मासिया से जुड़े। उन्होंने भावुक होकर याद किया, 'पूरा मोहल्ला हमें एयरपोर्ट छोड़ने आया था। वे लियो मेसी को नहीं, बल्कि मेसी परिवार को विदा कर रहे थे।' स्पेन में उनका पहला साल बहुत कठिन था। ट्रांसफर नियमों के कारण वे छह महीने तक नहीं खेल पाए और जब खेलने का मौका मिला, तो चोटिल होकर 3 महीने के लिए बाहर हो गए थे। स्पेन में पले-बढ़े और पूरा क्लब करियर वहीं बनाने के कारण मेसी के पास स्पेन की नेशनल टीम से खेलने का विकल्प भी था। उस समय स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन ने उन्हें मनाने की कोशिश की। लेकिन मेसी ने साफ किया कि उनके मन में कभी भ्रम नहीं था। उनका दिल हमेशा अर्जेंटीना के साथ था।

फास्ट न्यूज

'द केरल स्टोरी 2' पर केरल हाईकोर्ट की रोक

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज पर रोक लगा दी। कोर्ट ने सेंसर सर्टिफिकेट को लेकर उठे सवालों के बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) को दोबारा फिल्म का रिव्यू करने का निर्देश दिया। फिल्म शुक्रवार यानी 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी।

रियल-टाइम सर्च पावर के साथ आया नैनो बनाना 2

नई दिल्ली। गूगल ने अपना अब तक का सबसे तेज और एडवांस AI इमेज जनरेशन मॉडल नैनो बनाना 2 लॉन्च कर दिया है। CEO सुंदर पिचाई ने इसे गूगल का 'बेस्ट इमेज मॉडल' बताया है। यह नया टूल कल्पना को हाई-क्वालिटी तस्वीर में बदल सकता है। गूगल सर्च की मदद से रियल-टाइम जानकारी का इस्तेमाल कर सटीक और असली दिखने वाली इमेज भी तैयार करता है। यह साधारण AI टूल्स की तुलना में ज्यादा तेजी से और ज्यादा बारीकी के साथ रिजल्ट देता है। अक्सर हम अपनी किसी पुरानी फोटो का बैकग्राउंड बदलना चाहते हैं, लेकिन चेहरे में बदलाव आने का डर रहता है। नैनो बनाना 2 की 'फेस कंसिस्टेंसी' खूबी की वजह से अब आप अपनी फोटो में चेहरा वही रखकर सिर्फ कपड़े, हेयरस्टाइल या बैकग्राउंड सटीकता से बदल सकते हैं।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के प्रेसिडेंट बोर्गे ब्रेंडे का इस्तीफा

मुंबई। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) के प्रेसिडेंट और CEO बोर्गे ब्रेंडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका यह फैसला उस वक्त आया है, जब कुछ हफ्ते पहले ही जिनेवा की इस संस्था ने यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ उनके रिश्तों की जांच शुरू की थी। ब्रेंडे 2017 से WEF का नेतृत्व कर रहे थे।

करण जौहर बोले- आने वाले साल खुशियों से भरे हों, कृति सेनन-अनुपम खेर ने भी दी शुभकामनाएं

विजय-रश्मिका को सेलेब्स ने दी शादी की बधाई

उदयपुर। उदयपुर में गुरुवार को एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और एक्टर विजय देवरकोंडा शादी के बंधन में बंध गए। शादी की तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के साथ कई बॉलीवुड और साउथ सितारों ने दोनों को शुभकामनाएं दीं। एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कपल की फोटो शेयर कर शुभकामनाएं दीं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "आप दोनों को बधाई। आने वाले साल खुशियों और प्यार से भरे हों।" साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश ने लिखा, "आप दोनों को शादी की बधाई। जिंदगी भर प्यार और खुशियां मिलें।" अनुपम खेर ने रश्मिका की पोस्ट में कमेंट करते हुए लिखा, "बधाई हो! प्यार और प्रार्थना हमेशा।" कल्याणी ने लिखा कि उनकी धीमी सांसें और आंखों में आए आंसू सब कुछ बयां कर रहे थे। पुलकित सम्राट ने तस्वीर शेयर कर लिखा, "आप दोनों खूबसूरत लोगों को शादी की बधाई।" भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने लिखा, "दो खूबसूरत आत्माएं, हमेशा के लिए एक कहानी।" एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने दुआ दी कि दोनों के दिल हमेशा जुड़े रहें और उनका घर शांति और खुशी से भरा रहे। शादी के बाद रश्मिका और विजय ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटो शेयर की। रश्मिका ने विजय के लिए स्पेशल पोस्ट करते हुए लिखा, मेरे प्रिय लोगों, आपको अपने पति से मिलवाती हूं। वो आदमी जिसने मुझे, सिखाया कि सच्चा प्यार कैसा होता है।

» रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है।

» रश्मिका मंदाना कर्नाटक के कोडवा और विजय देवरकोंडा तेलुगु परिवार से आते हैं।

» कोडवा रीति-रिवाज से शादी के दौरान दुल्हन रश्मिका मंदाना पारंपरिक साड़ी में नजर आई।

> कृति सेनन ने भी तस्वीर पोस्ट कर लिखा कि फोटो में प्यार और खुशी साफ नजर आ रही है। उन्होंने दोनों के लिए खूबसूरत यादों और साथ भरी जिंदगी की कामना की। कृति ने रश्मिका के लिए लिखा कि उनकी मुस्कान और आंखों के आंसू ने उन्हें भावुक कर दिया। बता दें कि कृति और रश्मिका जल्द फिल्म 'कॉकटेल 2' में साथ नजर आएंगी।

कल्याणी ने शादी को दोस्ती पर आधारित बताया

एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने रश्मिका और विजय की शादी पर खास पोस्ट शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शादी की तस्वीर लगाते हुए लिखा कि आज उन्होंने एक दयालु लड़की को अपने सबसे अच्छे दोस्त से शादी करते देखा। उन्होंने बताया कि जब रश्मिका उनकी ओर बढ़ रही थीं और विजय पीछे मुड़कर इंतजार कर रहे थे, तब हर कदम में भावनाएं साफ नजर आ रही थीं। उन्होंने इस रिश्ते को प्यार, सम्मान और गहरी दोस्ती पर बना बताया। आखिर में उन्होंने दोनों को शादी की बधाई देते हुए लिखा कि यह उनकी जिंदगी की सबसे खूबसूरत शुरुआत हो।

गौहर खान ने छोटे बेटे फरवान की पहली झलक दिखाई

मक्का यात्रा की तस्वीरें शेयर कीं, पति जैद दरबार और दोनों बच्चे साथ नजर आए

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस गौहर खान ने गुरुवार को अपने छोटे बेटे की पहली झलक शेयर की। उन्होंने बेटे की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। यह फोटो उनके परिवार की मक्का यात्रा की हैं। वह अपने पति जैद दरबार और दोनों बच्चों के साथ वहां गई थीं। गौहर खान ने सितंबर 2025 में अपने दूसरे बेटे फरवान को जन्म दिया था। अब उन्होंने रमजान के महीने में मक्का से परिवार की तस्वीरें शेयर की हैं। फोटो में पूरा परिवार साथ नजर आ रहा है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, "बड़े को काबा से पहला सलाम करवाया था, तो छोटे का सलाम भी बनता है। अस्सलामो अलैकुम खूबसूरत दुनिया, फरवान की तरफ से। हमारे बच्चों को अपनी दुआओं में रखना, जैसे हम पवित्र जगह से दुनिया के लिए दुआ कर रहे हैं।" सितंबर 2025 में कपल ने अपने छोटे बेटे के जन्म की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि बच्चे का जन्म 1 सितंबर को हुआ। नोट में लिखा था, "जेहान अपने छोटे भाई के साथ अपना किंगडम शेयर करने को खुश है। परिवार के लिए प्यार और आशीर्वाद बनाए रखें।" गौहर खान और जैद दरबार ने दिसंबर 2020 में शादी की थी। दोनों ने कुछ समय डेट करने के बाद निकाह किया। मई 2023 में उनके पहले बेटे जेहान का जन्म हुआ था।

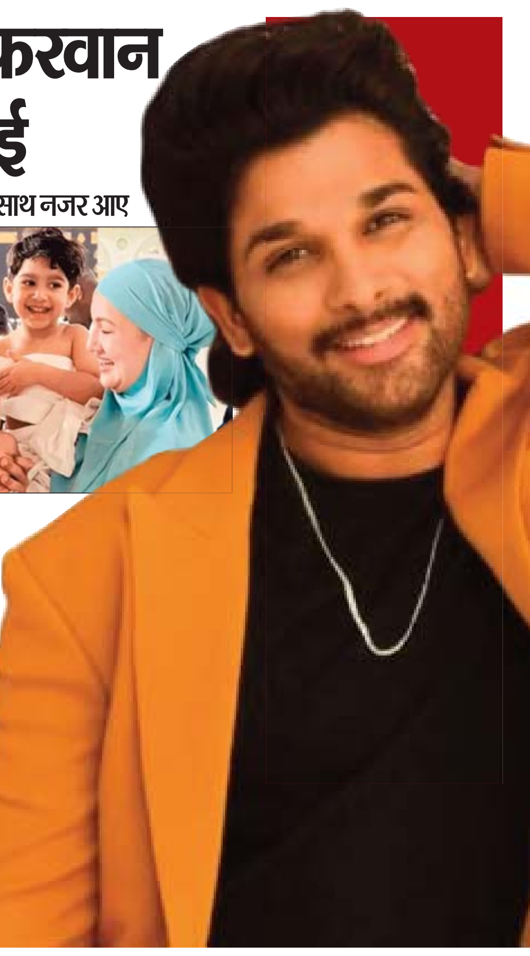

मृणाल ठाकुर ने अल्लू अर्जुन को भेजा बुके

'पुष्पा 2' के लिए अवॉर्ड मिलने पर दी बधाई, एक्टर बोले- कभी साथ काम करेंगे

हैदराबाद/चेन्नई। दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के प्रतिष्ठित 70वें फिल्मफेयर साउथ अवॉर्ड्स में अभिनेता अल्लू अर्जुन को उनकी सुपरहिट फिल्म पुष्पा 2 के लिए बेस्ट एक्टर के खिताब से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अल्लू अर्जुन न सिर्फ बॉक्स ऑफिस के सुपरस्टार हैं, बल्कि अभिनय के मामले में भी उनका कोई मुकाबला नहीं है। इस खास मौके पर बॉलीवुड और साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने उन्हें एक खूबसूरत बुके और भावुक संदेश भेजकर बधाई दी, जिसकी चर्चा अब सोशल मीडिया पर भी खूब हो रही है। मृणाल ठाकुर ने अपने बधाई संदेश में अल्लू अर्जुन के अभिनय और समर्पण की जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा,"सर, फिल्मफेयर में बेस्ट एक्टर अवॉर्ड जीतने पर दिल से बधाई। यह सम्मान आपके लिए पूरी तरह सही है। आपकी मेहनत, गहराई और हर परफॉर्मेंस में दिखने वाली एनर्जी प्रेरित करती है।"मृणाल के इस संदेश से यह साफ झलकता है कि अल्लू अर्जुन का अभिनय न केवल दर्शकों बल्कि इंडस्ट्री के कलाकारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। मृणाल ठाकुर द्वारा भेजे गए बुके और संदेश से अभिभूत अल्लू अर्जुन ने इसकी तस्वीर अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की और दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने जवाब में लिखा,"बहुत-बहुत धन्यवाद मृणाल। आपका मैसेज बहुत प्यारा है। उम्मीद है किसी दिन आपके साथ काम करने का मौका मिलेगा।"अल्लू अर्जुन के इस जवाब के बाद फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर कई फैंस ने दोनों कलाकारों को एक साथ फिल्म में देखने की इच्छा भी जाहिर की है। अल्लू अर्जुन ने फिल्मफेयर अवॉर्ड जीतने के बाद समारोह की कुछ झलकियां भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कीं। उन्होंने फिल्मफेयर का आभार व्यक्त करते हुए लिखा,"फिल्मफेयर का धन्यवाद इस सम्मान के लिए। यह मेरे लिए बेहद खास है। मैं यह अवॉर्ड अपने फैंस को समर्पित करता हूं, जिनका प्यार और समर्थन हमेशा मेरे साथ रहा है।"उनके इस भावुक संदेश ने यह दिखाया कि वे अपनी सफलता का श्रेय अपने प्रशंसकों को देते हैं।

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में 'पुष्पा 2' ने कई अवॉर्ड जीते

बता दें कि फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ 2026 में 'पुष्पा 2' ने 5 अवॉर्ड जीते। सुकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला। नवीन यरनेनी और वाई रवि शंकर को बेस्ट फिल्म का सम्मान मिला। देवी श्री प्रसाद को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर और रामकृष्ण और मोनिका को बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन का अवॉर्ड मिला।

> *मृणाल ठाकुर ने अपने नोट में लिखा, "सर, फिल्मफेयर में बेस्ट एक्टर अवॉर्ड जीतने पर दिल से बधाई। यह सम्मान आपके लिए पूरी तरह सही है। आपकी मेहनत, गहराई और हर परफॉर्मेंस में दिखने वाली एनर्जी प्रेरित करती है।"*

सेंसेक्स 600 अंक गिरकर 81,600 पर आया

निफ्टी में 200 अंकों की गिरावट, 25300 पर कारोबार कर रहा

मुंबई, एजेंसी

सेंसेक्स आज यानी, शुक्रवार 27 फरवरी को 600 अंकों की गिरावट के साथ 81,600 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 200 अंकों की गिरावट है। ये 25,300 के स्तर पर है। आज के कारोबार में मेटल और ऑटो शेयरों में बिकवाली का दबाव है। आईटी शेयरों में खरीदारी है। शेयर बाजार में कल यानी, 26 फरवरी को फ्लैट कारोबार रहा। सेंसेक्स 27 अंक गिरकर 82,249 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 14 अंकों की गिरावट रही। ये 25,497 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में फार्मा और सरकारी बैंक के शेयरों में तेजी रही है। विदेशी निवेशकों (FII) ने 26 फरवरी को 3,466 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने 5,031 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इस महीने यानी फरवरी में अब तक FIIs ने 895 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। इस दौरान DIIs ने 26,130 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। जनवरी 2026 में FIIs ने कुल ₹41,435 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान DIIs ने 69,220 करोड़ के शेयर खरीदे थे। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17% गिरकर 4,139 पर ट्रेड कर रहा है। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.92% गिरकर 6,249 के स्तर पर आ गया है।

आरोप : विपक्ष बोला- ये बर्दाश्त नहीं कर सकते, देश में भीड़तंत्र चल रहा

बांग्लादेश सरकार ने डिफाल्टर को सेंट्रल बैंक गवर्नर बनाया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में सेंट्रल बैंक के नए गवर्नर की नियुक्ति को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि तारिक रहमान की सरकार ने एक डिफाल्टर को कारोबारी को सेंट्रल बैंक गवर्नर बना दिया है, जो देश में भीड़तंत्र की शुरुआत जैसा है। बांग्लादेश बैंक के नए गवर्नर के रूप में मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति के बाद राजनीतिक घमासान तेज हो गया। जमात ए इस्लामी के प्रमुख और विपक्ष के नेता शफीकुर रहमान ने कहा कि यह फैसला पीएम की शह पर लिया गया है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले सरकार ने अहसान हबीब मंसूर का कार्यकाल अचानक खत्म कर दिया था, जिन्हें मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने नियुक्त किया था। मंसूर ने कहा कि उन्होंने न इस्तीफा दिया और न ही उन्हें हटाए जाने की कोई आधिकारिक सूचना मिली। उन्हें यह खबर मीडिया के जरिए पता चली।

> एक बैंक अधिकारी ने कहा कि जो इंसान अपनी ही कंपनी के लिए स्पेशल कंडीशन पर कर्ज का पुनर्गठन कराता है, वह देश के बैंकिंग सिस्टम के हितों की रक्षा कैसे करेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ ढाका के पूर्व प्रोफेसर दीन इस्लाम ने भी कहा कि किसी एक्टिव कारोबारी को केंद्रीय बैंक का गवर्नर बनाना गलत संदेश देता है और इससे हितों के टकराव की आशंका बढ़ती है।

गारमेंट कारोबारी रहे हैं मोस्ताकुर रहमान

मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति इसलिए अलग मानी जा रही है क्योंकि अब तक बांग्लादेश में केंद्रीय बैंक का गवर्नर आमतौर पर अनुभवी बैंकर, अर्थशास्त्री या वरिष्ठ सिविल सेवक होते रहे हैं। मोस्ताकुर एक कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट और गारमेंट कारोबारी हैं। वे हेरा स्वेटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं और हालिया चुनाव में तारिक रहमान की BNP पार्टी की केंद्रीय चुनाव संचालन समिति से भी जुड़े रहे थे। उनकी नियुक्ति को लेकर कर्ज चुकाने से जुड़े पुराने मामलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीडी न्यूज24 की रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी कंपनी 86 करोड़ टका का कर्ज समय पर नहीं चुका पाई थी।

सोना ₹1,065 बढ़कर ₹1.59 लाख पर पहुंचा

इस साल 26 हजार रुपए चढ़ा, चांदी एक दिन में ₹7,233 महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में आज 27 फरवरी को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,065 रुपए बढ़कर 1.59 लाख पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी 7,233 रुपए बढ़कर 2.61 लाख पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 25,892 रुपए और चांदी 37,480 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं। खरीदारी की मात्रा : दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। बल्क खरीदारी पर मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं। पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स ने अपना स्टॉक किस रेट पर खरीदा है।

ईडी शाइन सिटी के प्रमोटर को लखनऊ लाएगी, यूपी में दर्ज हैं 554 एफआईआर

1000 करोड़ का ठग दुबई से गिरफ्तार

- राशिद ने यूपी के कई शहरों में शाइन सिटी प्रोजेक्ट्स शुरू किए थे।
- राशिद नसीम ने दोगुने रिटर्न का लालच देकर लोगों से ठगी की थी।

तमसया संकेत, एजेंसी

लखनऊ। शाइन सिटी ग्रुप के प्रमोटर और हजार करोड़ की ठगी के मुख्य आरोपी राशिद नसीम को दुबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम उसे लखनऊ लेकर आएगी। करीब 10 महीने पहले लखनऊ की विशेष अदालत ने राशिद नसीम को भगोड़ा घोषित किया था। राशिद नसीम और उसकी कंपनियों के खिलाफ पुलिस करीब 554 एफआईआर दर्ज कर चुकी है। आरोप है कि निवेश के नाम पर लोगों से 800 से 1000 करोड़ रुपए की ठगी की गई। लुभावने रिटर्न का वादा कर लोगों से पैसा वसूला गया और फिर 2019 में राशिद नसीम देश छोड़कर दुबई फरार हो गया। दुबई पुलिस ने ईडी और आर्थिक अपराध शाखा (EOW) के अनुरोध पर ये कार्रवाई की है। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय एजेंसियों के कार्डिनेशन से राशिद को पकड़ा गया है। लंबे समय से उसकी लोकेशन ट्रेस की जा रही थी। शाइन सिटी घोटाले का मास्टरमाइंड राशिद नसीम प्रयागराज के जीटीबी नगर, करेली का रहने वाला है। उसके खिलाफ सबसे अधिक मुकदमे लखनऊ में दर्ज हैं।

1000 करोड़ की प्रॉपर्टी पहले ही जब्त

सरकारी एजेंसियों ने राशिद और उससे जुड़ी कंपनियों की सैकड़ों करोड़ की संपत्तियां जब्त की हैं। 2021 में जारी एक ऑडियो में राशिद ने खुद दावा किया था कि सरकार उसकी करीब 500 करोड़ रुपए की संपत्ति कब्जे में ले चुकी है, जिसकी मौजूदा कीमत लगभग 1000 करोड़ रुपए बताई जाती है। उस ऑडियो में यह भी कहा गया था कि करीब 300 करोड़ रुपए किसानों और ब्रोकरों के बीच फंसे हैं। जमीन दिलाने वाले कुछ दलालों के फरार होने और रजिस्ट्री विवादों के कारण कंपनी कानूनी उलझनों में फंसी हुई है। हालांकि जांच एजेंसियां इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि कर रही हैं।

भाई पहले ही गिरफ्तार

राशिद और उसके भाई आसिफ पर गृह विभाग की ओर से 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। इससे पहले इन पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था। कंपनी से जुड़े अन्य पांच आरोपियों पर भी एक-एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आसिफ को पहले ही प्रयागराज से गिरफ्तार किया जा चुका है। कोर्ट के आदेश पर ईओडब्ल्यू और ईडी दोनों एजेंसियां जांच आगे बढ़ा रही हैं। अब राशिद की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ में बड़े वित्तीय नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है।

> "शाइन सिटी ग्रुप पर आरोप है कि पॉन्जी और पिरामिड स्कीम चला कर कंपनी ने रियल एस्टेट निवेश, प्लॉट, घर, फ्लैट व अन्य आकर्षक योजनाओं के नाम पर निवेशकों से पैसा जुटाया था। निवेशकों को ऊंचे रिटर्न का लालच दिया गया था, लेकिन यह एक पॉन्जी स्कीम थी, जिसमें नए निवेशकों का पैसा पुराने निवेशकों को देने के लिए इस्तेमाल किया गया। निवेशकों को न तो वादा किए गए प्लॉट या संपत्तियां दी गईं और न ही रिटर्न। कई मामलों में, प्लॉट के दस्तावेज फर्जी पाए गए थे।"

दुबई से ऑपरेट होता था सिंडिकेट

जांच एजेंसियों का दावा है कि दुबई में बैठकर राशिद पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। बताया जा रहा है कि उसने वहां बड़ा निवेश किया और भारत में अपने सहयोगियों के जरिए गतिविधियां जारी रखीं। 2018 में नेपाल में गिरफ्तारी और जमानत के बाद वह दुबई पहुंचा था। कई वर्षों तक गिरफ्तारी से बचते रहने के कारण उसके अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की भी जांच की जा रही है। एजेंसियां यह भी खंगाल रही हैं कि ठगी की रकम किस-किस चैनल से विदेश भेजी गई।

लोकभवन के बाहर आत्मदाह की कोशिश

महिला ने खुद के ऊपर पेट्रोल डाला, आग लगाने से पहले पुलिस ने पकड़ा

तमसया संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में एक महिला ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर तैनात आत्मदाह दस्ते ने महिला को आग लगाने से पहले ही काबू में कर लिया। घटना शुक्रवार दोपहर हजरतगंज स्थित लोकभवन के गेट पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अचानक लोक भवन के गेट के पास पहुंची। अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। इससे पहले कि वह आग लगा पाती, ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। उसे थाने ले जाया गया। महिला की पहचान संध्या सिंह के रूप में हुई है। वह न्यू श्रीनगर मानकनगर की रहने वाली है। संध्या का मानक नगर क्षेत्र में जमीनी विवाद चल रहा है। संध्या सिंह ने बताया कि उसकी जमीन पर इकबाल सिंह ने कब्जा किया है। लेखपाल की रिपोर्ट के बाद इकबाल सिंह धमका रहा है। गालियां दे रहा है। स्थानीय पुलिस और तहसील प्रशासन से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

- आत्मदाह निरोधक दस्ता ने महिला को पकड़ लिया।
- पीड़िता संध्या सिंह ने थाने में शिकायत दी है।

फास्ट न्यूज

किसानों ने पुतले का हसिए से काटा गला

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयवाद ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के खिलाफ जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। किसान हाथों में डंडा-झंडा और हसिया लेकर पहुंचे । प्रदर्शन में शामिल महिला और पुरुष किसानों नारा लगाया 'जो ना माने झंडे से उसे समझाओ डंडे से'। नाराज किसानों ने एलडीए के पुतले पर चोर लिखा।

प्रेमी-प्रेमिका के शव पेड़ से लटके मिले

बाराबंकी। बाराबंकी जनपद के मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक प्रेमी युगल के शव पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में लटके मिले। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय हारून और 20 वर्षीय शीबा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे के संपर्क में थे और उनके बीच प्रेम संबंध था। परिवार के लोग इस रिश्ते से नाराज बताए जा रहे हैं और शादी के पक्ष में नहीं थे। हालांकि, इन बातों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस द्वारा नहीं की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार सुबह गांव के बाहर स्थित एक पेड़ से दोनों के शव लटके देखे गए, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

प्रेमी से शादी के लिए 250 फीट टावर पर चढ़ी

महराजगंज। महराजगंज में प्रेमी से शादी करने की जिद में युवती 250 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। बताया- वह गांव के युवक से 12 साल से प्यार करती है। अब वह शादी से भाग रहा है। पुलिस और गांववालों ने समझाया तो कहा- अगर प्रेमी नहीं आया तो उसके नाम का जहर खा लूंगी। इसके बाद उसने एक पर्ची नीचे फेंकी। इस पर प्रेमी और उसके घरवालों के मोबाइल नंबर थे। इसके अलावा उस पर लिखा था- फारुक, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं।

12 बैंकों से ढाई साल में निकाले 1600 करोड़

कानपुर में 8 लाख की लूट से खुला राज, 10 फर्मों से अकाउंट में आए रुपए

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के श्याम नगर में हुई 8 लाख की लूट के मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को अरेस्ट किया है। जिनसे लूट हुई थी उनका नाम वासिद और अरशद है। दोनों टेनरी कारोबारी महफूज के लिए कैश कैरियर्स का काम करते हैं। जांच में पता चला कि महफूज के कानपुर 12 बैंकों के 68 खाते हैं। इन खातों से ढाई साल में करीब 1600 करोड़ कैश निकाला गया है। लूट वाले दिन महफूज के खाते से 3.20 करोड़ रुपए निकाले गए थे। पुलिस का कहना है कि इतनी बड़ी रकम का लेन-देन मनी लॉन्ड्रिंग, टैक्स चोरी या अन्य संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ा हो सकता है। मामले की जांच के लिए केंद्रीय एजेंसियों को पत्र भेजे जाने की तैयारी है। वहीं, लूट करने वाले अब्दुल रहमान, शुभान खान, लारेब सिद्दीकी, मो. जीशान समेत अन्य को गिरफ्तार

कर जेल भेज चुकी है। वहीं, यासीन और मुजाहिद नामक दो आरोपियों से गुरुवार देर रात मुठभेड़ हुई, जिसमें दोनों के पैर में गोली लगी। बदमाशों ने मो. वासिद और अरशद पर तमंचे की बट से हमला कर दिया था। इसके बाद रुपए लूट कर भाग गए। घटना के बाद घायलों ने पहले 25 लाख, 12 लाख फिर 8 लाख रुपए लूटने की बात कही। इसके बाद उन्होंने लूट की घटना से ही इनकार कर दिया था।

कांशीराम के विचारों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया

'पीडीए दिवस' सामाजिक न्याय की नई शुरुआतः अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा है कि 'पीडीए दिवस' सामाजिक न्याय और समानता के संघर्ष को आगे बढ़ाने की दिशा में एक नई और महत्वपूर्ण शुरुआत है। उन्होंने कहा कि यह दिवस प्रतीकात्मक रूप से पीडीए समाज के उन सभी महान व्यक्तित्वों को समर्पित है, जिन्होंने समाज के पीड़ित, शोषित और अपमानित वर्गों के सम्मान, उत्थान और बराबरी के लिए निरंतर संघर्ष किया और किसी भी वर्चस्ववादी ताकत के आगे झुकने से इनकार किया। सपा प्रमुख ने कहा कि पीडीए समाज इस निर्णय से प्रसन्न और उत्साहित है कि मान्यवर कांशीराम जैसे महान नेताओं के मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प फिर से मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के कई लोग ऐसे भी हैं, जो परिस्थितियों के कारण खुलकर अपनी बात नहीं कह पा रहे हैं, लेकिन वे भी इस पहल से संतुष्ट हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि जो शब्द लिखे जाते हैं, वे लेखक के नहीं बल्कि परिस्थितियों के दबाव का परिणाम होते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि कुछ ताकतें समाज में विभाजन पैदा कर अपने राजनीतिक हित साधने की कोशिश करती हैं।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि नकारात्मक और विभाजनकारी राजनीति करने वाली शक्तियां समाज को बांटकर अपनी सत्ता बनाए रखने का प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा कि समाज के बड़े और सम्मानित लोगों के प्रति समाजवादी पार्टी हमेशा सम्मान और सहानुभूति रखती है और सामाजिक संबंधों को दिल से निभाने में विश्वास करती है।

'जो पीड़ित, वही पीडीए'- अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने कहा कि पीडीए केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता का प्रतीक है। उन्होंने दोहराया कि समाजवादी पार्टी का मानना है कि "जो पीड़ित है, वही पीडीए है," समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी द्वारा जारी इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में पीडीए को लेकर चर्चा तेज हो गई है और इसे आगामी राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है।

मुख्तार के शूटर शोएब की दिनदहाड़े हत्या

बाराबंकी। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह 50 साल का था। वारदात शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे हुई, जब वह कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। हाईवे से 100 मीटर आगे बढ़ते ही दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उसकी कार पर पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटाया है। हत्याकांड की सूचना पर IG प्रवीण कुमार, डीएम और एसपी मौके पर पहुंचे। बॉबी पर हत्या, रंगदारी और गैंगवार से जुड़े 12 मुकदमे दर्ज थे।

राहुल गांधी के खिलाफ दोहरी नागरिकता की याचिका खारिज

लखनऊ हाईकोर्ट में एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश चुनौती दी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में राहुल गांधी से जुड़े एक मामले में याचिका दायर की गई है। कर्नाटक के याची एस विग्नेश शिशिर ने एमपी-एमएलए कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी है। शिशिर ने अपनी मूल याचिका में राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता, शासकीय गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत विभिन्न आरोप लगाए थे। उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी, जिसे एमपी-एमएलए कोर्ट ने खारिज कर दिया था। यह याचिका पहले रायबरेली में दायर की गई थी। हालांकि, याची ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर इसे रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित करने की मांग की थी, जिसे लखनऊ हाईकोर्ट

ने स्वीकार कर लिया था। एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दायर अर्जी को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा था कि नागरिकता से जुड़े इस मामले में याची पहले भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में तथ्य प्रस्तुत कर चुका है। इसी आदेश को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याची की ओर से आज न्यायालय में अपनी बहस पूरी कर ली गई। शिशिर ने अदालत को बताया कि राहुल गांधी के पास दो देशों की नागरिकता है और उनके पास दो पासपोर्ट भी हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि राहुल गांधी खुद को ब्रिटेन का नागरिक मानते हैं। याची की बहस के बाद, राज्य सरकार ने अपनी बहस के लिए न्यायालय से समय मांगा। न्यायालय ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए 9 मार्च की तारीख तय की है। यह सुनवाई न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ द्वारा याची एस विग्नेश शिशिर की ओर से दाखिल याचिका पर की जा रही है।

हड़कंप: मकान मालिक ने बाथरूम में किया बंद, लाठी-डंडे लेकर पहुंचे लोग

छत के रास्ते घुसा तेंदुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

रादाबाद। मुरादाबाद के एक घर में शुक्रवार सुबह तेंदुआ घुस आया। उसे देखकर मकान मालकिन घबरा गईं और चिल्लाते हुए घर से बाहर भागीं। कुछ देर घर में घूमने के बाद तेंदुआ बाथरूम में जा घुसा। हिम्मत दिखाते हुए महिला के बेटे ने बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। उधर, तेंदुआ घुसने की खबर फैलते ही कॉलोनी में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग लाठी-डंडे लेकर घर के बाहर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। साथ ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व की टीम को भी बुलाया गया। यह घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हरथला गंगा मंदिर मोहल्ले की है। टाइगर रिजर्व की टीम ने करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद उसे पकड़ा। शहर में सीएल गुप्ता आई इंस्टीट्यूट को जाने वाले रास्ते के सामने मेघराम सिंह का घर है। यहां वह अपने बड़े भाई हुकुम सिंह के साथ रहते हैं। दोनों भाई खेती करते हैं।

- तेंदुए को रेस्क्यू करने के लिए जाल मंगवाया गया है।
- तेंदुए के घर में घुसने की सूचना पर मोहल्ले के छतों पर लोगों की भीड़ जुट गई।
- तेंदुए को रेस्क्यू करने के लिए वन विभाग की टीम जाल लेकर मौके पर पहुंची।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की टीम ने 5 घंटे में पकड़ा

सूचना के बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व से रेस्क्यू टीम पहुंची। टीम ने सबसे पहले पूरे घर और इलाके को खाली कराया। इसके बाद टीम उसे पकड़ने की कवायद शुरू की। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद उसे पकड़ा जा सका। टीम ने बताया- सबसे पहले तेंदुए को ट्रैंकुलाइजर की मदद से बेहोश किया गया। फिर उसे जाल में लपेटकर पिजड़ें में बंद किया।

सुबह 4 बजे से इलाके में घूम रहा था तेंदुआ

मेघराम के बड़े भाई हुकुम सिंह ने को बताया- तड़के करीब 4 बजे से इलाके में तेंदुए के आने की चर्चा थी। कुछ लोगों ने मोहल्ले की छतों पर उसे घूमते हुए देखा था। इलाके में रहने वाले मुस्लिम परिवार सुबह सहरी के लिए जागे तो उन्होंने तेंदुए की आहट सुनी। कई लोगों ने उसे छतों पर भी देखा। इसी दौरान तेंदुआ गंगा मंदिर में भी दिखाई दिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

मोदी-शाह ने ...

इसलिए षड्यंत्र रचा। कोर्ट में आज साफ हुआ केजरीवाल, सिसोदिया, संजय सिंह और आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदारी हैं। पूर्व CM ने कहा- कई लोग कहते हैं कि जेल से आने के बाद केजरीवाल क्यों चुप हो गया। नेताओं को फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनकी चमड़ी मोटी है। लेकिन मैं कोई नेता नहीं हूं। मुझे फर्क पड़ता है। मेरे परिवार पर पत्थर उछाले गए, मुझे फर्क पड़ता है। केजरीवाल ने कहा- आज मेरे दिल से बड़ा बोझ उतर गया है। एक समय AAP के टॉप 5 नेता जेलमें थे, लेकिन कुछ नहीं बिगाड़ सके। अब तो केवल कत्ल कराकर ही केजरीवाल को कंट्रोल कर सकते हैं। बिना कत्ल कराए ये लोग केजरीवाल को संभाल नहीं सकते हैं। कानूनी तौर पर ऐसे मामले में जांच एजेंसियां दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रुख करती हैं। CBI अब राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में अपील कर सकती है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट भी जा सकती है। अगस्त 2022 में CBI की चार्जशीट के आधार पर ED ने भी इस मामले में केस दर्ज किया था। ED के मामले भी अभी सुनवाई जारी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि CBI मामले में केजरीवाल समेत अन्य लोगों के बरी होने के कारण ये सभी ED मामले में भी बरी हो सकते हैं।

FdFFFFOXb FZ EIY RZY FZ FbFFU WXFF :FFFZVF IbYFFS

इसके मुताबिक राज्य में अब कुल 5.67 करोड़ वोटर के नाम हैं। इस प्रोसेस में करीब 74 लाख लोगों के नाम काटे गए हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि 27 अक्टूबर 2025 को SIR प्रक्रिया शुरू होने के दौरान राज्य में कुल 6,41,14,587 वोटर थे। करीब चार महीने चली SIR में 74,07,207 लोगों के नाम हटाए गए हैं जिसके बाद राज्य में 5,67,07,380 मतदाता पंजीकृत हैं। राज्य में इसी साल चुनाव होने हैं। सबसे ज्यादा 5,36,991 वोटर चेंगलपट्टू जिले की विधानसभा नंबर 27 शोझांगनल्लूर में हैं। वहीं सबसे कम 1,16,896 वोटर चेन्नई जिले की विधानसभा नंबर 18 हार्बर में दर्ज हुए हैं।

यूपी में होली की ...

सीएम ने चेतावनी दी है कि भुगतान और अवकाश संबंधी आदेशों के पालन में किसी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान कर्मचारियों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी। दरअसल, सीएम योगी सिंगापुर और जापान के विदेश दौरे पर गए थे। गुरुवार देर रात ही वह वापस लौटे। इसके बाद उन्होंने यह आदेश जारी किए। सिर्फ राज्य कर्मचारी नहीं, बल्कि पेंशनरों को भी पेंशन 28 फरवरी तक जारी हो जाएगी। वित्त विभाग ने इस संबंध में सभी डीएम को आदेश जारी कर दिए हैं। इसमें कहा गया है कि होली की छुट्टियों को देखते हुए पेंशन फरवरी माह के आखिरी दिन तक पूरी कर लिया जाए। यूपी सरकार ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े विद्यालयों और कार्यालयों में पहले ही त्योहार से पहले वेतन/ मानदेय भुगतान के आदेश दिए हैं। इस संबंध में बुधवार को स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी की ओर से भी आदेश कर दिया गया। इससे पहले, 20 फरवरी को योगी सरकार ने 1.70 लाख शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को होली से पहले बड़ा तोहफा दिया था। शिक्षा मित्रों को 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार रुपए हर महीने देने का ऐलान किया था। अब तक शिक्षा मित्रों को 10 और अनुदेशकों को 9 हजार रुपए ही मिल रहे थे। योगी ने विधानसभा में कहा था- सरकार ने शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के हित में यह कदम उठाया है। पहले सपा सरकार में इन्हें मात्र 3 हजार रुपए मिलते थे। हमारी सरकार ने 2017 में ही 10 हजार किया था।

शंकराचार्य की ...

कहीं तो कोई होगा, जिसके मन में न्याय होगा। इसलिए संघर्ष जारी रहना चाहिए। पूरे देश का हिंदू समुदाय आशंकित था। उन्हें लगने लगा था कि हमारे गुरु ने क्या गड़बड़ी की है। मुकदमा झूठा बनाया गया था। बटुक कभी आश्रम में नहीं रहे हैं। शिकायकर्ता आशुतोष महाराज ने कहा, हमें पूर्ण विश्वास है की धर्म की विजय होगी ओर पीड़ित पक्ष को न्याय मिलेगा। शंकराचार्य ने बटुकों के यौन उत्पीड़न मामले में 24 फरवरी को अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगाई थी। गिरफ्तारी पर रोक लगने से शंकराचार्य के मठ में जश्न का माहौल है। दरअसल, तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने 173 (4) के तहत जिला कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जज (रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट) विनोद कुमार चौरसिया के आदेश के बाद झूंसी थाने की पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बटुकों से कुकर्म की FIR दर्ज की थी।

5 कुत्तों ने बच्चे...

इसके बाद वे तुरंत ही बच्चे को गंभीर हालत में इलाज के लिए सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान 6 वर्षीय इतवारी के नाम से हुई, जो सुल्तानपुर लोधी, गिला गाखला में माता-पिता के साथ रहता था। जबकि परिवार मूलरूप से यूपी के बहराइच जिले का रहने वाला है। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। मृतक बच्चे के पिता मुनेजर ने बताया कि वह खेतों में आलू की बुआई कर रहे थे। दोपहर में पत्नी के साथ बेटा खाना देने के लिए आया था। जिसके बाद बेटे ने शौच जाने के लिए कहा और और वह खेत में चला गया।

एलयू में चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर छात्रों का नमन

प्रतिमा को पानी से नहलाया, कहा- जिम्मेदार भूले शहादत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में NSUI से जुड़े छात्रों में चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा की साफ सफाई की। इस दौरान NSUI के छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर अमर शहीद की शहादत को भूलने का आरोप मढ़ा। शुक्रवार को NSUI के पदाधिकारी कैंपस स्थिति चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। साफ-सफाई न होने पर और बाकी लोगों द्वारा आज का दिन भूलने का आरोप लगाया। NSUI के पदाधिकारियों ने बाल्टी और मग्गा लेकर पानी भरकर प्रतिमा को साफ किया, धूल हटाई और उसके बाद श्रद्धांजलि अर्पित की। NSUI के छात्रों ने आरोप लगाया गया कि विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रशासन का ध्यान केवल छात्रों को आर्थिक रूप से निचोड़ने पर केंद्रित दिखाई देता है। उन्हें देश के महापुरुषों की पुण्यतिथि और उनके विचारों को याद रखने की कोई चिंता नहीं है। कि वे जानबूझकर इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को विश्वविद्यालय परिसर में याद नहीं करना चाहते। इस दौरान NSUI के विशाल सिंह, प्रिंस प्रकाश के अलावा अंकुश, गोपी, अमित, अरसलान, रितेश समेत कई छात्र मौजूद रहे।

- लखनऊ विश्वविद्यालय में एनएसयूआई के छात्रों ने चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा को नहलाया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676